हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
सोमवार, 27 दिसंबर 2021, बरेली, उत्तर प्रदेश, 21 संस्करण
www.livehindustan.com

कथक नृत्य की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

बरेली | कार्यालय संवाददाता

एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार शाम लखनऊ घराने के कथक नृत्य को 'उमंग' कार्यक्रम के द्वारा प्रस्तुत किया गया। गुरु और शिष्य के बीच जुगलबंदी देखने को मिली।

रिद्धिमा के विद्यार्थियों ने कायर्क्रम की शुरुआत राग यमन पर आधारित गणपति वंदना 'गाइए जग वंदन' पर नृत्य प्रस्तुत कर की। राग रूपक और श्रृंगार रस पर आधरित ठुमरी 'निर्तत ढंग' जिसमें गोपियां भगवान श्रीकृष्ण को याद कर नृत्य करती हैं। भगवान शिव के अर्धनारीश्वर रूप को कथक के माध्यम से गुरु देवज्योति नक्सर और रियाश्री चटर्जी ने रूपक ताल पर प्रस्तुतित देकर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। मध्यम और ध्रुत की तीन ताल भी पेश की गई। जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। सभागार में एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति और शहर के संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

एसआरएमएस रिद्धिमा में कथक नृत्य को 'उमंग' के द्वारा प्रस्तुत किया गया।